an>

Title: Need to take measures to control flood in Bihar.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : धन्यवाद अध्यक्ष जी, मैं इस मामले को पिछले दो दिन से उठाना चाह रही थी, क्योंकि मेरे क्षेत्र में ही बाढ़ है। कोसी नदी मेरे ही क्षेत्र से होकर गुजरती है। सप्लीमेंटरी प्रश्न के तौर पर मैं माननीय उमा भारती जी से मैं इस बारे में जानना चाह रही थी।

महोदया, मेरे ही क्षेत्र में मरौना, सुपोल और भभटियाही में काफी पानी है और लगभग दो सौ परिवारों को रेस्क्यू करवाया गया है। जो काम स्टेट कर सकती है, वह कर रही है, लेकिन मैं यहां इसलिए उठाना चाह रही थी कि हर साल पूर्व और पश्चिम के बीच में जो बांध है, जो आठ किलोमीटर का एरिया है, हम लोग चाहते हैं कि तीन सोल्युशन वहां हो। जब एनएच-57 बन रहा था तो सुरक्षा बांध है, उसको लगभग 10 से 15 किलोमीटर पूर्व और पश्चिम में बनना चाहिए था, लेकिन मात्र 750 मीटर बनाकर छोड़ दिया गया। अभी जो गांव रेगडिया, मरौना, सिसोनी और बेला डूबे हुए हैं, इसका कारण यह है कि वहां सुरक्षा बांध प्रापर-चे से नहीं बनाया गया है। आपकी टीम भी गयी थी तो गडकरी साहब ने कहा कि अब गैमन नहीं, ईरीगेशन उमा भारती जी बनाएंगी। मेरी सरकार से रिक्वेस्ट है कि वहां तीन प्रॉब्लम हैं। एक, पूर्व-पश्चिम में लगभग 10-12 किलोमीटर तक सुरक्षा बांध को बनाने की आवश्यकता है, जिससे बांध की सुरक्षा बढ़ेगी और डबल बांध हो जाएगा। दूसरा, कोसी नदी बालू लेकर आती है। सिलटेशन एक मैजर प्रॉब्लम है। हम लोग नेपाल तक पूरा विजिट करके आए और बांध का 2688 नंबर प्वाइंट है और कुसा का जो बांध वर्ष 2008 में टूटा था, जिसके कारण भीषण बाढ़ आयी थी और लाखों लोग वहां से विस्थापित हुए थे। वहां नदी फिर से बांध से टच हो रही है, काम हो रहा है, लेकिन पानी अगर बढ़ता है तो वह बांध भगवान भरोसे है। नदी बांध को टच न करे, लेकिन सिलटेशन के कारण पानी एक तरफ अपनी धार को लेता है, जिसके कारण कोसी नदी में बार-बार कटाव होता है। एक, कटाव का स्थायी सोल्यूशन, दूसरा, सिलटेशन का स्थायी सोल्यूशन, तीसरा, सुरक्षा बांध, जिसको आपको ही करना है। मैंने रेलवे मिनिस्टर से भी कहा था, वीरपुर-प्रतापगंज, वीरपुर-भतनाहा...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात रिकार्ड में आ गयी है।

अश्विनी कुमार चौबे।